14 जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में एनबीटी द्वारा नवलेखन माला पर चर्चा का आयोजन

आज थीम मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा युवा लेखकों को प्रोत्साहित करने हेतु शुरू की गई 'नवलेखन माला' के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तकों पर चर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे– श्री गौरहरि दास (ओडिया), श्री बिभाशा चौधरी (असमिया), श्री जॉय डी. क्रूज़ (तमिल), श्री अमर मित्रा (बांग्ला) तथा डॉ. के.एस. रवि कुमार (मलयालम)। इस सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा द्वारा की गई। उन्होंने कहा कि नवलेखन माला युवा लेखकों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अपनी रचनाओं को प्रकाशित करवाने के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास है। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने नई पीढ़ी के लेखकों के बारे में बातचीत की। उनका मत था कि युवा लेखक रोमांटिक विचारों पर ध्यान केंद्रित न करके समाज से संबंध रखने वाले गंभीर विषयों पर विचार करते हैं।

इस पुस्तकमाला में एनबीटी द्वारा 17 पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं जिनमें से दस हिंदी में तथा सात अन्य भारतीय भाषाओं में है। इन पुस्तकों का लोकार्पण नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में किया गया।

विभिन्न गोष्ठियों के अतिरिक्त थीम मंडप पर अनेक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है जिनमें शामिल हैं– एल सैमुअल एवं समूह, पॉमई बैपटिस्ट चर्च, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत कॉयर गीत। यहाँ इस गीत के माध्यम से शांति एवं प्रेम का संदेश दिया गया; *भारत की पंथनिरपेक्ष साहित्य परंपरा* विषय पर आयोजित पैनल चर्चा जिसमें डॉ. कृष्ण शर्मा, डॉ. नंदलाल मेहता तथा डॉ. चंद्रकांता वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने 'पंथनिरपेक्ष' शब्द को सही अर्थों में समझने पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि 'पंथनिरपेक्ष' शब्द को समझने के लिए हमें अपने अतीत, परंपराओं तथा संस्कृति पर दृष्टि डालनी होगी।

आज मेले में बना बाल मंडप विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों एवं रोमांच से भरपूर रहा। इस मंडप पर कार्यक्रमों की शुरुआत बचपन सोसायटी फॉर चिल्ड्रेंस लिटरेचर एंड कल्चर द्वारा 'कहावतें मंच पर' नामक प्रस्तुति से हुई जिसमें बच्चों को रोजमर्रा में विभिन्न संदर्भों में प्रयोग होने वाली साधारण कहावतों के बारे में जानकारी दी गई। बाल मंडप पर बच्चों की लेखिकाओं जैसे सुश्री गिरिजा रानी अस्थाना तथा सुश्री शशि जैन ने बच्चों के साथ बातचीत

की। यहाँ स्कूली बच्चों द्वारा 'एक दिन की बादशाहत' नामक नाटक प्रस्तुत किया गया। यहाँ पर आयोजित हुए ओडिसी नृत्य ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया।

चीन मंडप पर चाइना सोशल साइंसिज़ प्रेस द्वारा पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 'चाइना इनसाइट्स' नामक पुस्तक का अँग्रेज़ी संस्करण लोकार्पित किया गया। यह पुस्तक समकालीन चीनी समाज का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है। इस अवसर पर चाइना सोशल साइंसिज़ प्रेस के उप–निदेशक, श्री ली पिगुऑन्ग ने यहाँ उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों में शामिल थे– संपादकीय निदेशक, सोशल साइंसिज़ एंड ह्यूमेनिटीज़, स्प्रिंगर, सुश्री माइरियाम पूर्त; संपादक, मेजर प्रोजेक्ट पब्लिकेशन सेंटर, चाइना सोशल साइसिज़ प्रेस, सुश्री सुन पिंग; उप–निदेशक, इंटरनेशनल स्टडीज़ सेंटर, चाइना सोशल साइसिज़ प्रेस, सुश्री जॉन्ग लिन; प्रोफेसर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, श्री बी. आर. दीपक; एसोसिएट प्रोफेसर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, श्री हेमंत अदलखा। इस अवसर पर वक्ताओं ने प्राचीन काल से चीन तथा भारत के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान पर चर्चा की।

चीन मंडप पर लिफि पब्लिकेशंस तथा अन्हुई पीपल्स पब्लिशिंग हाउस (चीन) द्वारा 'कलरफुल सिल्क रोड : चीन की लोक संस्कृति पर आधारित पुस्तकें एवं उत्पाद प्रोन्नयन कार्यक्रम' आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान दोनों प्रकाशकों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए जिसमें 'हाइलाइट्स ऑफ चाइना' तथा 'टॉल्क द सिल्क रोड' सहित दस पुस्तकों का प्रकाशन शामिल है।

कल चीन मंडप पर जॉन नेसबिट तथा डोरिस नेसबिट द्वारा लिखित पुस्तक 'ग्लोबल गेम चेंज' का लोकार्पण हुआ तथा इस पुस्तक पर चर्चा भी की गई।

आज हॉल सं. 12 में अंजुमन प्रकाशन, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित आठ पुस्तकों का लोकार्पण हुआ जिनमें शामिल हैं–*ज़िंदगी की खोज में, एक टुकड़ा लव, शर्तिया इश्क, सरहदें, सपना, वन साइडिड, ऑटोमेशन की दुनिया में अब आपकी बारी है*; साहित्य मंच पर प्रभात प्रकाशन द्वारा 'व्हट्सएप चैटिंग' पुस्तक पर चर्चा का आयोजन किया गया; हॉल सं. 8 में नितिन सोनी द्वारा लिखित *सुपर सक्सेस स्टूडेंट गाइड* का लोकार्पण भी हुआ।